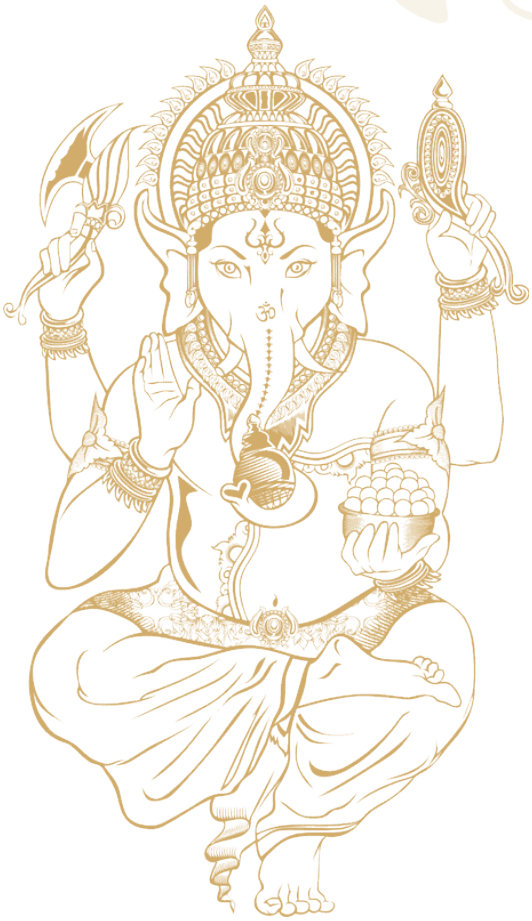

Mr.

Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119149201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119149201 Date: 19/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/03/1996	जन्म तिथि	11/10/1996
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 09:30:00	जन्म समय	11:15:00 घंटे
घटी 07:25:23	जन्म समय(घटी)	12:10:08 घटी
India	देश	India
Nalagarh	स्थान	Nalagarh
31:03:00 उत्तर	अक्षांश	31:03:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:31:50	सूर्योदय	06:22:56
18:31:27	सूर्यास्त	17:55:42
23:48:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:45
वृष	लग्न	वृश्चिक
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मकर	राशि	कन्या
शनि	राशि-स्वामी	बुध
श्रवण	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
3	चरण	4
शिव	योग	ब्रह्म
कौलव	करण	शकुनि
खे-खेमचन्द	जन्म नामाक्षर	पी-पिंगला
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	मूषक

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 10मा 21दि		01:22:11	वृष	लग्न	वृश्चि	25:27:51	सूर्य 0वर्ष 7मा 9दि	
गुरु		02:02:48	मीन	सूर्य	कन्या	24:22:37	राहु	
04/02/2025		18:08:42	मक	चंद्र	कन्या	08:38:46	22/05/2014	
04/02/2041		29:34:39	कुंभ	मंगल	कर्क	25:17:12	21/05/2032	
गुरु	26/03/2027	20:55:58	कुंभ	बुध	कन्या	09:27:57	राहु	01/02/2017
शनि	06/10/2029	20:15:03	धनु	गुरु	धनु	16:10:33	गुरु	28/06/2019
बुध	12/01/2032	17:15:32	मेष	शुक्र	सिंह	14:27:17	शनि	04/05/2022
केतु	18/12/2032	03:27:55	मीन	शनि व	मीन	09:02:51	बुध	20/11/2024
शुक्र	19/08/2035	23:27:42	कन्या व	राहु	कन्या	14:14:30	केतु	08/12/2025
सूर्य	06/06/2036	23:27:42	मीन व	केतु	मीन	14:14:30	शुक्र	08/12/2028
चन्द्र	06/10/2037	09:37:22	मक	हर्ष	मक	06:49:48	सूर्य	02/11/2029
मंगल	12/09/2038	03:25:04	मक	नेप	मक	01:10:12	चन्द्र	04/05/2031
राहु	04/02/2041	09:16:46	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	07:32:25	मंगल	21/05/2032

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:21 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:45

लग्न-चलित

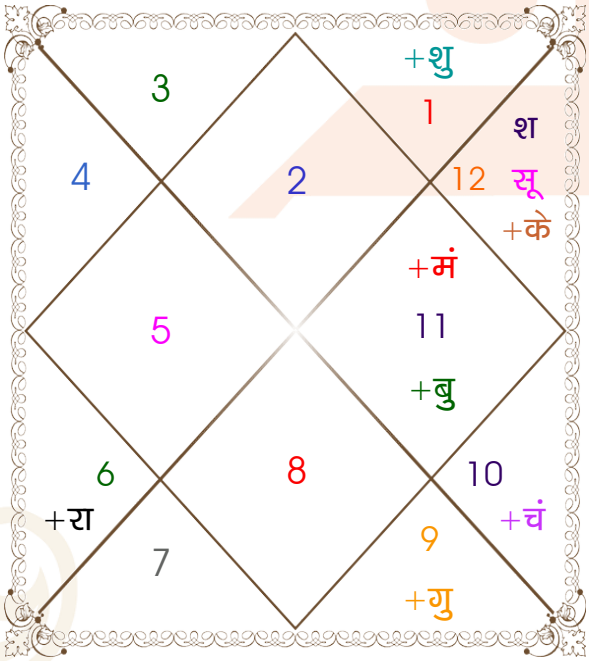

लग्न-चलित

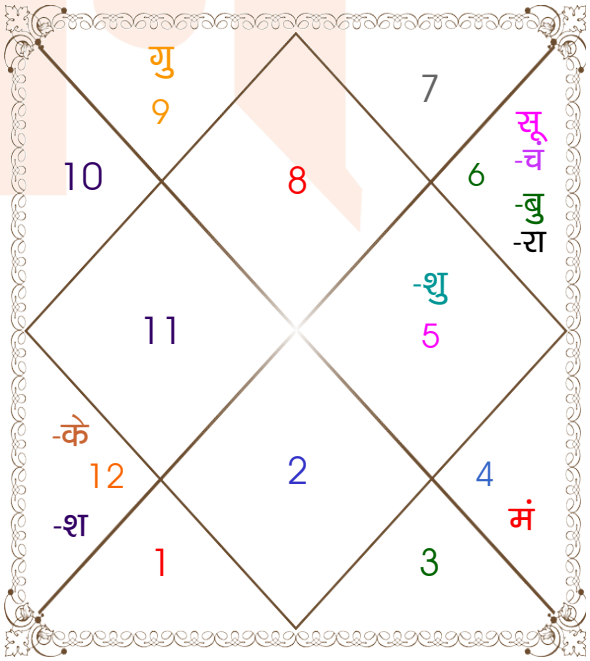

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

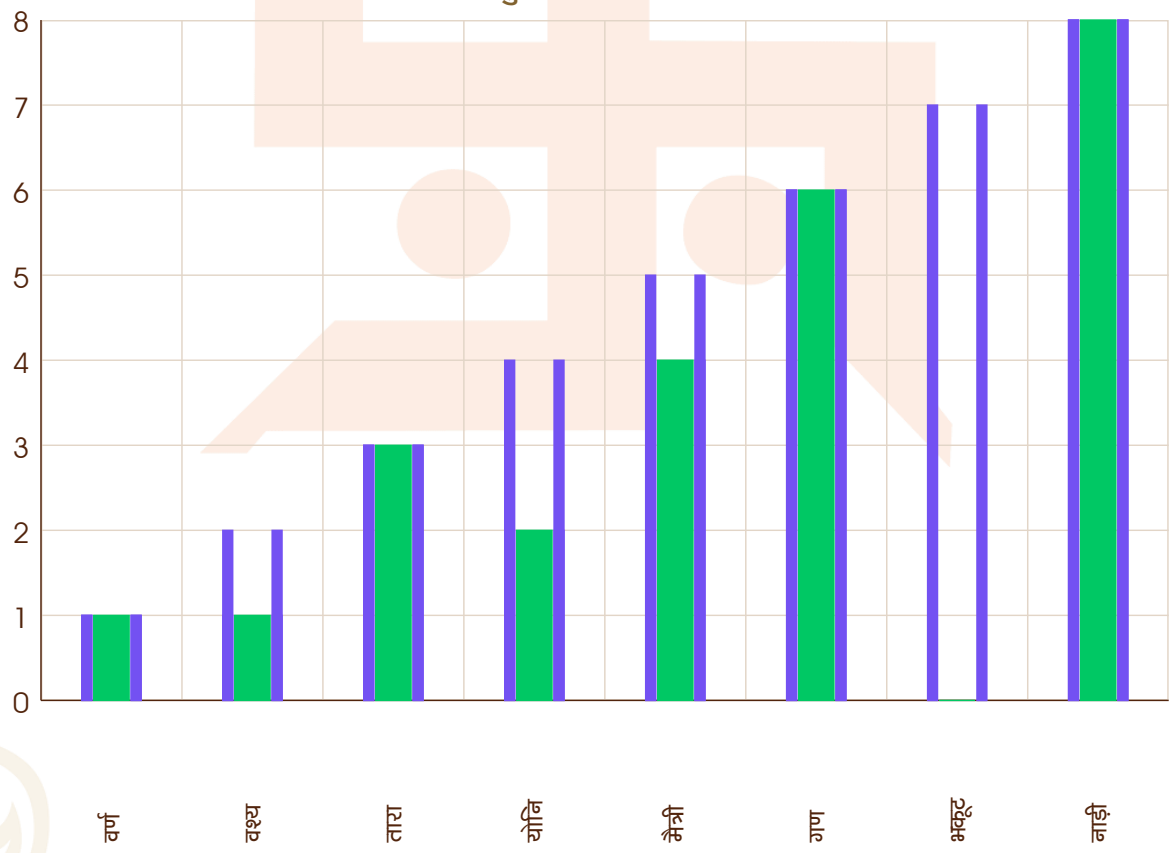

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण वैश्य है तथा Ms. का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण Mr. और Ms. दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। Mr. और Ms. दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

Mr. का वश्य जलचर है एवं Ms. का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ms. अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Mr. उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Mr. की तारा सम्पत तथा Ms. की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Mr. एवं Ms. दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Ms. एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Mr. की योनि वानर है तथा Ms. की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. का राशि स्वामी Ms. के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Ms. का राशि स्वामी Mr. के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Mr. का गण देव तथा Ms. का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms. अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Mr. से Ms. की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Ms. से Mr. की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Mr. की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr. की अन्त्य नाड़ी तथा Ms. की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. की राशि भुमितत्व युक्त तथा Ms. की राशि भी भूमितत्व युक्त कन्या राशि है। अतः तत्वों की समानता के कारण Mr. और Ms. के मध्य स्वभावगत समताएं विद्यमान रहेंगी तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता होगी। फलतः वैवाहिक जीवन में सुख शान्ति रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा।

Mr. की राशि का स्वामी शनि तथा Ms. की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवं मित्रराशियों में पड़ते हैं। अतः इसके प्रभाव से Mr. और Ms. के आपसी संबंधों में मधुरता होगी तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग तथा सहानुभुति का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा एवं गुणों पर ध्यान देंगे फलतः पारिवारिक स्नेह के भाव में प्रगाढ्ता होगी तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करेंगे। अतः Mr. और Ms. का दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा सुखद क्षणों की अनुभूति करते रहेंगे।

Mr. और Ms. की राशियां परस्पर पंचम तथा भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह एक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr. और Ms. के उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता रहेगी तथा मित्रता के स्थान पर शत्रुता एवं विरोध का भाव उत्पन होगा। साथ ही एक दूसरे की कमियों पर विशेष ध्यान देकर अनावश्यक समस्याओं तथा विवादों को उत्पन करेंगे। अतः इनका वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त परस्पर श्रेष्ठता तथा अहंकार का भाव भी रहेगा। अतः सामंजस्य तथा बुद्धिमता से ही शुभ फल प्राप्त होंगे।

Mr. का वश्य जलचर तथा Ms. का वश्य मानव है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमताओं के कारण अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी तथा रारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं अलग रहेंगी। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे। अतः दाम्पत्य जीवन मध्यम रहेगा।

Mr. तथा Ms. का वर्ण वैश्य है। अतः इसके प्रभाव से दोनों की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा वाणिकबुद्धि से कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धन को जीवन में विशेष महत्व प्रदान करेंगे।

धन

Mr. की तारा सम्पत तथा Ms. की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Mr. सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Ms. के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

Mr. और Ms. को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Ms. का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Mr. की नाड़ी अन्त्य तथा Ms. की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Mr. और Ms. अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

यथोचित समय पर संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. और Ms. का मिलान उत्तम नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से इन्हें संतति प्राप्ति में विलम्ब होगा तथा बच्चों के मध्य अंतर में भी असामान्य रहेगी जिससे उन के उचित पालन पोषण में असुविधाएं होंगी। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र तथा कन्या संतति की संख्या में समानता रहेगी।

अन्य सामान्य महिलाओं की तरह Ms. के मन में भी प्रसव काल के विषय में चिन्ता तथा भय का भाव व्याप्त रहेगा। लेकिन Ms. को ऐसी अनावश्यक चिन्ताओं तथा भय से मुक्त रहना चाहिए क्योंकि उनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इसमें किसी प्रकार का अनावश्यक कष्ट या परेशानी नहीं होगी। साथ ही सुदंर एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में वह समर्थ रहेंगी तथा स्वयं भी स्वस्थ, प्रसन्नता एवं शांति की अनुभूति करेंगी। साथ ही Mr. तथा सास ससुर भी उनसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

बच्चों की उत्साह जनक प्रगति से Mr. और Ms. सन्तुष्ट होंगे तथा बच्चे भी अपनी बुद्धिमता योग्यता एवं व्यवहार कुशलता से अपने क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रसन्न तथा प्रभावित होंगे। माता पिता के प्रति उनके मन में श्रद्धा तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा। उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Ms. सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Ms. को काफी परेशानी तथा असुविधा

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

का सामना करना पड़ेगा। यदि Ms. धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Ms. के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Ms. ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Mr. के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Mr. अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Mr. का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Mr. का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Mr. तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Mr. के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com